## Department of Commercial Tax Government of Jharkhand



### **DIPP Point No. 218**

	Question	Remarks	
8e. Registration for Central Sales Tax (CST)		Notification no 2499 dated 13/8/12 available	
<b>Q:</b> Define clear time	lines mandated through		
legislation for approval of complete application			
. Vocef	ল্লাবজন্ত স্নবকার নাতিাত্যকার বিশ	218, ПЧ	
पत्र संख्या- वा0करा /विविध/22/2010 - 2099 / राँची, दिनाक - 1.3/8/12-			
प्रेषक.	-		
13 13	मस्त शम मीणा, लविव-संह-आयुक्त, पाणिज्य-कर विभाग, आरखण्ड, राँची।		
सेवा में,			
	समी वाणिज्य—कर संयुक्त आयुक्त (प्रशासन) / (बेंट ऑडिट) / (अपील), समी वाणिज्य—कर अंचल प्रभारी।		
विषय:	वाणिज्यकर विभाग में केन्द्रीय विर्क e-registration की प्रकिया विडित करने	정말 방법에서 그 사람이 집안 같아요. 그는 것이 있었는 것이 물건은 것은 것이 없다.	
प्रसंग-	झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 200 (झारखण्ड) नियमावली; 2006 को नियम 3		
महोदय / महोदया,			
जपर्युवत विषय के संबंध में सूचित करना है कि दिनांक 06,07,2011 के प्रभाष से			
वाणिण्यकर विभाग में झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 तथा सुसंगत नियमावली के			
31	अधीन e-registration योजना का धुभारंग किया जा चुका है। उसी कम मे केन्द्रीय विकी		
1	कर (झाएखण्ड) नियमावली, 2006 के नियम 3 (11), झाएखण्ड मुख्यबर्द्धित कर नियमावली,		
S	2006 के नियम 3A (vi) के साथ पठित. के प्रावधान के अनुसार आयुक्त द्वारा केन्दीय		
10 C	बिकी कर, 1956 की धारा 7(1) के अधीन e-registration हेतु प्रक्रिया (विभागीय संकल्प		
10 C.	संख्या- 211 दिनांक 01.02.2011 के सदुश्य) विहित की जाती है∺-		
<ol> <li>केन्द्रीय बिकी कर अधिनियम क्रे अधीन निबंधन प्राप्त करने हेतु इच्छुक व्यवसायी</li> </ol>			
। किन्द्राय जिस्ते कर जासान्यन अं जासान निषयन प्रांत करने रहा ब्युड्क जायराज्य विभागीय येवसाईट http://jharkhundcomtax.nic.in के o-services Section के अधीन			
4	이 같은 것 같은 것 같은 것 같아요. 이 같은 것 같아요. 이 것 같아요. 이 것 같아요. 것		
	registration के link को click करने के		
	egistration, Form-A को मरकर ऑन-लाईन	+ / · · · ·	
	से व्यवसायी जिन्होंने झारखण्ड मूल्यवर्द्धित		
f	ायमावली के अधीन पूर्व में ही निधंधन प्राप्त	कर चुके हैं उन्हें विभागीय वेक्साईट	
រ ប្	up://jharkhandcomtax.nic.in के e-services	Section 帝 e-return (Dealer's Login)	
1	nk के माध्यम से CNTRAL FORM menu	के Sub-menu CST Registration में	
7	lick कर विहित आवेदन प्रमन्न Form-A में ऑन		

## **Department of Commercial Tax Government of Jharkhand**



 अंचल प्रभाश द्वारा ऐसे दाखिल/प्राप्त ऑन-लाईन आवेदनों का सत्यापतः (verification) किया जाएगा। आवेदन प्राप्त होने के दी दिनों के अन्दर व्यवसायी को sms/e-mail द्वारा निर्धारित तिथि एवं संमग्र पर आवश्यक कागजातौ Security Bond सहित संबंधित अंचल प्रभारी के लगत उपस्थित होने की सूचना दी जाएगी।

-2:-

निर्धारित तिथि एवं समय पर व्यवसायी ऑनलाईन समर्पित आवेदन की इस्ताक्षरित हार्ड कॉपी तथा अन्य संयंधित कागजातों की मूल प्रति के साथ अंवल प्रभारी के समक्ष उपरिवार होंगे। आवेदक व्यवसायों के आवेदन तथा उपरवापित कागजातों के जींच कर संतुष्ट होने के अपरांत आंचल प्रभाशी द्वारा निबंधन प्रमाण-पत्र (Form-B) निर्गत किया जाएगा आख्या व्यवसायी के आयेदन को रदद कर दिया जाएगा जिसकी सूचना sms/e-mail द्वारा कारण सहित आवेदक व्यवसायी को दी जाएगी।

- 4. CST के अधीन निबंधन प्रमाण पत्र के लाख आवदित TIN झारखण्ड मूल्यप्रद्वित कर अधिनियम, 2005 के अधीन निर्गत TIN के समान होगा। उक्त TIN में अंतिम 3 Digit (101) Suffix कर दिया जाएगा।
- अभन-लाईन आवेदन तथा आवश्यक कागजात समर्पित करने के पाँच दिनों के भाता TIN तथा निबंधन प्रमाण पत्र निर्गत किया जाना आवश्यक है।
- 6. ऐसे व्ययसायी जो पूर्व में ही Manually CST नक्यन प्रमाण पत्र प्राप्त कर चुके हें उन्हें विभागीय चेवसाईट http://jharlchandcomtax.nic.in के e-services Section के e-return (Dealer's Login) 并 उपलब CENTRAL FORM meau 帝 Sub-meau "CST Profile Update" को, update अपेक्षित है। CST Profile Update करने की पूरी प्रक्रिया विभागीय देवसाईट के "User Manual of Form 'C\*" में उपलब्ध है।

a constanting at the second

and the month dates

٠

विश्वासमाजन

सचिव-संह-आयुवत, वाणिज्य-कर विभाग धारखण्ड, राँची।

**Timeline for** issuance of CST registration certificate

# SUPPORTING DOCUMENT

24. 194,208,212 218;

झारखण्ड सरकार वाणिज्य-कर विभाग

पत्र संख्या- वा0करा/विविध/22/2010 - <u>2099</u>

/ रॉची, दिगांक - 13/8/12-

प्रेभवर,

i dell

मस्त शम मीणा, सचिव-सह-आयुक्त, पाणिज्य-कर विभाग, झारखण्ड, राँची।

सेवा में,

## सभी वाणिज्य-कर संयुक्त आयुक्त (प्रशासन) / (सैट ऑडिट) / (अपील), सभी वाणिज्य-कर अंचल प्रभारी।

विषय:- वाणिज्य-कर विभाग में केन्द्रीय बिकी कर अधिनियम. 1956 के अधीन e-registration की प्रक्रिया चिहित करने के संबंध में।

प्रसंगः— ज्ञारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के नियम 3A तथा केन्द्रीय विकी कर (ज्ञारखण्ड) नियमावली, 2006 के नियम 3 तथा 3A।

महोदय / महोदया,

उपर्युक्त विषय के संबंध में सूचित करना है कि दिनाक 06.07.2011 के प्रभाव से वाणिज्य-कर विभाग में झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 तथा सुसंगत नियमावली के अधीन e-registration योजना का शुभारंभ किया जा चुका है। उसी कम मे केन्द्रीय विक्री कर (झारखण्ड) नियमावली, 2006 के नियम 3 (11), झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के नियम 3A (vi) के साथ पठित. के प्रावधान के अनुसार आयुक्त द्वारा केन्द्रीय विक्री कर, 1956 की धारा 7(1) के अधीन e-registration हेतु प्रक्रिया (यिभागीय संकल्प संख्या- 211 दिनांक 01.02.2011 के सदृश्य) विहित की जाती है:--

 केन्द्रीय बिको कर अधिनियम के अधीन निबंधन प्राप्त करने हेतु इच्छुक व्यवसायी विभागीय वेबसाईट http://jharkhandcomtax.nic.in के o-services Section के अधीन o-registration के link को click करने के उपरांत VAT के साथ--साथ CST Registration, Form-A को भरकर ऑन--लाईन आवेदन समर्पित कर सकले हैं।

2. ऐसे व्यवसाम्री जिन्होंनें झारखण्ड मूल्यबर्द्धित कर अधिनियम, 2005 तथा सुसंगत नियमावली के अधीन पूर्व में ही निबंधन प्राप्त कर चुके हैं उन्हें विभागीय वेबसाईट http://jharkhandcomtax.nic.in के e-services Section के e-return (Dealer's Login) link के माध्यम से CNTRAL FORM menu के Sub-menu CST Registration में elick कर विहित आय्रेदन प्रपत्र Form-A में ऑन-लाईन आवेदन समर्पित करना होगा। 3 अंचल प्रभाश द्वारा ऐसे दाखिल/प्राप्त ऑन-लाईन आवेदनों का सत्यापूर (verification) किया जाएगा। आवेदन प्राप्त होने के दो दिनों के अन्दर व्यवसायी को sms/e-mail द्वारा निर्धारित तिथि एवं संमय पर आवश्यक कागजातों Security Bond सहित संबंधित अंचल प्रभाश के समक्ष उपस्थित होने की सूचना दी जाएगी।

÷.,

निर्धारित तिथि एवं समय पर व्यवसायी ऑनलाईन समर्पित आवेदन की हस्ताक्षरित हार्ड कॉपी तथा अन्य संबंधित कागजातों की मूल प्रति के साथ अंवल प्रभारी के समक्ष उपस्थित होंगे। आवेदक व्यवसायी के आवेदन तथा उपस्थापित कागजातों के जॉच कर संतुष्ट होने के उपरांत अंचल प्रभारी द्वारा निर्वधन प्रमाण-पत्र (Form-B) निर्गत किया जाएगा अन्यथा व्यवसायी के आवेदन को रदद कर दिया जाएगा जिसकी सूचना sms/e-mail द्वारा कारण सहित आवेदता व्यवसायी को दी जाएगी।

- 4. CST को अधीन निबंधन प्रमाण पत्र को साथ आवंदित TIN झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2006 के अधीन निर्मत TIN के समान होगा। उक्त TIN में अतिम 3 Digit (101) Suffix कर दिया जाएगा।
- 5. ऑन-लाईन आवेदन तथा आवश्यक कागजाल अमर्पित करने के पॉच दिनों के भीतर (11N तथा निबंधन प्रमाण पत्र निर्गत किया जाना आवश्यक है।
- 6. ऐसे व्ययसायी जो पूर्व में ही Manually CST निबंधन प्रमाण पत्र प्राप्त कर चुके हैं उन्हें विभागीय वेबसाईट http://jharkhandcomtax.nic.in के e-services Section के e-return (Dealer's Login) में उपलब्ध CENTRAL FORM menu के Sub-menu "CST Profile Update" को update अपेक्षित है। CST Profile Update करने की पूरी प्रक्रिया विभागीय वेबसाईट के "User Manual of Form 'C\*" में उपलब्ध है।

and the second secon

and the second first and the second second

and the second second

विश्वासमाजन

14.811 राचिव-संह-आय्यत वाणिज्य-कर विभाग झारखण्ड, रॉची।

[Rule 2

Rule 3]

### Jharkhand Value Addex Tax Rules, 2006

I to create a digital

Circle or sub-circle. Finance Act (Part-I) Jopted Bihar Tax on Use or Sale therein

es "Sub-Section". nature satisfying the nology Act, 2000.

for the purpose of er and part thereof, 40, 42, 43 shall be a specified from time

ii) of sub-section (2) 961, and who has atitioner" under the he Provisions of the t/Acts, and who also nomics, or Banking y Indian University force or any foreign nment, and are also ) of Rule 51.

y the Commissioner 51.

record or public key, pressions means to

digital signature by
 public key of the

or has been altered the digital signature. "subscriber" means is issued.]

ace where a dealer, goods, and includes

hall have the same

CHAPTER-II

### Registration

**3. Registration of Dealer.**—(i) Every dealer, who held a valid certificate of registration under the Repealed Act, and whose liability to pay tax continues under the Repealed Act as well as under the Act, shall furnish particulars of the business, in Form JVAT 100 including information as contained in Annexure-I, II & III; along with two copies of recent passport size photographs, to the Registering Authority, within two months of coming into force of these rules without any fee, and within a further period of thirty days, with a late fee of one hundred rupees, failing which, he shall cease to be a dealer registered under the Act from the next day, following the expiry of the said period (s).

<sup>1</sup>["Provided the Joint Commissioner of Commercial Taxes (Administration), on application may condone the delay by a further period of one hundred eighty days with a late fee of Rs. 200/-"]

<sup>2</sup>["Provided further any registered dealer who is continued to be so liable to pay tax under the repealed Act and is also liable to pay tax under this Act and not applied for registration in JVAT 100, shall be treated to be unregistered dealer for the purpose of this Act and the provision of section 38 shall apply to such dealer(s)".]

<sup>3</sup>["Provided further that all such dealers registered under the repealed Act and a Taxpayer's Identification Number allotted to them, and who could not file application for registration in Form JVAT 100, and who continue to file returns and continue to pay tax under the Act, may file Application for registration in Form JVAT 100 within twelve months with a penalty of rupees one thousand along with an affidavit certifying that they were regularly filing the returns and paying the tax payable under the Act."]

(ii) Every dealer, whose application for registration under the Repealed Act, was pending for decision before its Repeal, shall furnish particulars of his business, in Form JVAT 100 along with two copies of his recent passport size photographs, to the Registering Authority, within thirty days of coming into force of these Rules, without any fee and within a further period of thirty days with a late fee of fifty rupees, failing which, he shall be deemed to have failed to apply for registration under the Act.

(iii) Such applications shall be signed, as the applicant, by the proprietor of the business; or in the case of a firm, by the partner authorised to act on behalf of the firm; or in the case of the business of an undivided Hindu family, by the Karta of the family; or in the case of a company incorporated under the Indian Companies Act, 1956 (1 of 1956) or a Corporation constituted under any law, by the Principal Officer or the Chief Executive Officer thereof; or in the case of a society, club or association of persons or a Department of Government or local authority, by the Principal Executive officer, or officer-in-charge thereof.

(iv) Where the Registering Authority is satisfied, if necessary after making an enquiry, that the information furnished to him in application in Form JVAT 100 including the information as contained in Annexure-I, II & III; is complete and correct and that the dealer is genuine, he shall issue to the dealer a Certificate of registration under the Act in Form JVAT 106 within fifteen days and grant him a registration number, which shall bear a unique number, to be known as "Taxpayer's Identification Number" or "TIN", which shall be valid from the Appointed Day, and where the Registering Authority finds otherwise, after giving a reasonable opportunity of being heard to the application. The order of rejection shall take effect, in case of a dealer, who held certificate of registration under the Repealed Act, from the date of the order, and in other cases from the Appointed Day without prejudice to the decision that may be taken on his application under the Repealed Act.

1. "Proviso" added by S.O. 62 dt. 9.3.2007 (w.e.f 1.4.2006).

2. ins. by S.O. 27 dated 26.8.2009.

3. Ins. by S.O. 142 dated 23.7.2011

[3

Jharkhand Value Addex Tax Rules, 2006

[ Rule 3

tl

fi

h

re

р

C

w

ci

to

аι

gr

Tł

re

an

Ac the

bu

ear

tur

cai

rec

an

pre

the

su

int

cir

Fc

wł

re

CC

<sup>1</sup>[The prescribed authority shall issue a registration certificate in Form JVAT 106 within five days of filing of such application in Form JVAT 100, which has been filed in terms of second proviso of sub-section (1) of Section 95.]

(v) An application for registration under sub-section (2) of Section 25, and subsection (1) of Section 26, shall be made in form <sup>3</sup>[JCRF (Jharkhand Common Registration Form], including the information, as contained in <sup>3</sup>[Annexure I, II, III & IV annexed to Form JCRF], to the Registering Authority, in whose area the principal place of the business of the dealer is located, along with two copies of his recent passport size photographs and shall also furnish such photographs once in every five years. The Registering Authority shall issue a receipt for the application of registration.

<sup>1</sup>["Provided the dealer shall annex an affidavit, certifying that the contents of the application in <sup>3</sup>[Form JCRF], are true and correct."

*"Explanation I.—*Such application for registration in <sup>3</sup>[Form JCRF], may by option be filed by such dealers, who are proprietorship and whose turnover is likely to be within twenty five lakhs a year."

"Explanation II.—Notwithstanding anything contained in Explanation I and subject to Rule 3A, every dealer shall file application for reistration electronically."

(vi) Such an application shall be presented by a dealer within thirty days from the date of his becoming liable for payment of tax under the Act and shall be-

(a) <sup>4</sup>[Digitally] Signed, as the applicant, by the proprietor of the business; or in the case of a firm, by the partner authorised to act on behalf of the firm; or in the case of the business of an undivided Hindu family, by the Karta or in the case of a company incorporated under the Indian Companies Act, 1956 (1 of 1956) or a Corporation constituted under any law, by the Principal Officer or the Chief Executive Officer thereof; or in the case of a society, club or association of persons or a Department of Government or local authority, by the Principal Executive Officer, or officer-in-charge thereof <sup>4</sup>[ or Declared Business Manager]

<sup>4</sup>[Provided that the Commissioner may relax the provision of obtaining digital signature electronically for a particular period].

- (b) Verified in the manner prescribed in the said Form.
- (c) Where the Registering Authority is satisfied, that the information furnished to him in application <sup>3</sup>[Form JCRF] is complete, true and correct, and that the dealer is genuine, he shall subject to Rule 5, issue to the dealer a Registration Certificate in Form JVAT 106 within five days from the date of filing of such application, and allot him a registration number which shall bear a unique number, to be known as "Taxpayer's Identification Number" or "TIN", <sup>2</sup>[x x x]

<sup>1</sup>[The Registering Authority thereafter may conduct an enquiry within thirty days from the date of issue of such registration certificate, and if upon enquiry anything otherwise than the application in Form JCRF along with the annexure and security furnished thereof are found, the registering authority subject to sub rule (vii) of this Rule, may revoke or cancel such Registration Certificate]

(vii) Where the Registering Authority is not satisfied with the information furnished by the applicant and has reasons to believe that the applicant does not meet the requirements for registration as dealer, he shall provide an opportunity specifying the reasons for refusal before passing any order for refusal to issue registration certificate.

1. Ins. by S.O. 142 dated 23.7.2011.

2 Deleted by ibid.

- 3. Subs by S.O. 57 dated 22.10.2014
- 4. Ins by ibid.

4]

3